Patrika (Indore), 10th November 2021, Page-02

आइआइटी का नौवां दीक्षांत समारोह : 498 को दी गई डिग्री, समारोह में बोले आइआइटी निदेशक

योजनाओं का उपयोग कर नौकरी तलाशने के बजाय नौकरी देने वाले बनें

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. कोविड के दौरान जब सबकुछ बंद हुआ तब उम्मीद नहीं थी कि ऑनलाइन मोड पर भी इतनी लंबी अवधि तक पढ़ाई संभव हो सकेगी। आइआइटी की क्लासेस न सिर्फ ऑनलाइन मोड पर चलती रहीं बल्कि आइआइटीयन 24 घंटे अपने शिक्षकों के संपर्क में भी रहे। कोविड काल में पढ़ाई पूरी कर आखिर मौका आ गया जब विद्यार्थियों को उनकी मेहनत का फल डिग्री के रूप में मिला। डिग्री मिलते ही उनके चेहरों पर चमक आ गई।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर का नौवां दीक्षांत समारोह मंगलवार को हुआ। समारोह में 498 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। राष्ट्रपति स्वर्ण पदक

गौरव खड़से को मिला जबकि आरती समाल को भी स्वर्ण पदक से नवाजा गया। हाइब्रिड मोड पर हुए इस समारोह में 270 विद्यार्थी खुद उपस्थित हुए और बाकी ने ऑनलाइन हिस्सा लिया। कार्यक्रम में केंद्र सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. के विजय राघवन मुख्य अतिथि और प्रधानमंत्री के सलाहकार अमित खरे विशिष्ट अतिथि थे। आइआइटी के कार्यवाहक निदेशक प्रो. निलेश कुमार जैन ने कहा, कोविड की पहली और दूसरी लहर के कारण हमारे सामने चुनौतियां अधिक थीं। डिग्री हासिल कर रहे विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा, अपना हर काम मानवतावादी दृष्टिकोण के साथ बदलाव के जुनून के साथ करें। स्टार्ट-अप इंडिया, मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसी योजनाओं का उपयोग कर नौकरी तलाशने के बजाय नौकरी देने वाले बनें।

बेहतर करने की कोशिश

प्रेसीडेंट गोल्ड मेडल हासिल करने वाले गौरव खड़से ने कहा, अब मैं बड़ी आसानी से अपनी समस्याओं का समाधान करने में सक्षम हो गया हूं। आइआइटी ने मुझे लीक से हटकर सोचने की क्षमता दी है। मैं आगे सिविल सर्विस की तैयारी करना चाहता हूं।

रिसर्च में बनाऊंगी करियर

आरती समाल ने कहा, मेडल मिलने की बहुत खुशी है लेकिन मैंने मेडल के लिए नहीं बल्कि अपने लिए मेहनत की है। आइआइटीयन होने पर आपको अपने दोस्तों के साथ-साथ मौज-मस्ती से भी समझौता करना पड़ता है। मैं अपने करियर को रिसर्च में आगे बढ़ाऊंगी।

गौरव खड़से

आरती समाल

इन्हें मिले पदक

यूजी में कस्तूरी अजीत शर्मा, श्रुति पराग लांडगे, चिन्मय ऋषिकेष लोटे, सुरभि प्रवीण मोंढे, आनंददेव मंगेश। पीजी में विनय सिंह और रेनेश बाबू केपी को रजत पदक दिया गया। वर्तिका पाठक को सर्वश्रेष्ठ बीटेक परियोजना का पुरस्कार मिला। आरती सामल को बूटी फाउंडेशन के स्वर्ण पदक से नवाजा गया।

गुरु का सम्मान।